5 20

511 5000Rs

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

भारत

पांच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

212000 Area 0-7 ... 0-8 ... 8500

A/c 2120

2-50

0-94

2193.44

15/1/11

नाम मोकिर [विक्रेता]
सरयु साहु वल्द स्व० पुना साहु जाति तेली (वैश्य)
पेशा खेती सा० मौजा बिन्द थाना ४ पुरना वो
नया थाना ६ परगना अहुरी थाना वो जिला
वो जिला रजिस्ट्री चतरा भारतीय !

नाम मोकिर अलैह [क्रेता]
परमेश्वर साहु [Parmeswar Sahu] वल्द स्व० गौरी साहु
जाति तेली (वैश्य) पेशा खेती सा० मौजा फरेन्दी
पो०- हफुआ थाना वो जिला वो जिला रजिस्ट्री
चतरा भारतीय !

किसीम वसिका :- केवाला बैयमावुलामी
[Sale-deed]

जरसमन [मूल्य] मोवलीगें 2,12,000] दो लाख बारह
हजार रुपये मात्र !

②

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.   R$ 1000

भारत

एक हजार रूपये   ONE THOUSAND RUPEES

शेड्यूल्ड भू सम्पत्ति विवरण [अन्य शर्तें] वार्ड न. १४
मसाहती ६ ६/८ डी० आठ पूर्णांक छ: बटा आठ डी० जमीन
आबादीय स्थित कायम रैयती खतियानी खरीदगी वाके
मौजा बिशुनपुर परगना अहुरी थाना न. १२५
थाना को मिलाकर हाल सर्वे न. १ मौजा न. २८
है अन्दर नगरपालिका भवन पुराना वार्ड न. ८ वो
नया वार्ड न. १४ स्थित खाता नं. वो प्लॉट न.
चौहद्दी जोत में दी जाती है।

खाता न.; प्लॉट न.; रकबा; मसोतबा; चौहद्दी हाल
८६ - ८३५ - 31½ डी - ६ ६/८ डी

विषयांक [बौंड्रीचौहद्दी]   उत्तर - मिस्टो आठ
आठ पूर्णांक छ बटा आठ डी० जमीन
दक्षिण - सागर राम बड़ौ
पूरब - बीज खरीदार
पश्चिम - मथुरा शाल -
बाद है।

जमा १२८ १२८ सना रोज भसाती ६ ६/८ डी० जमीन है।
की मालगुजारी सालाना मो. ८ पैसे अमात्य शेष।

ग्राहक
१५.०१.९१

[illegible]
13/11/[illegible]

(४)

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

मोबलीगां 212000) दो लाख बारह हजार रूपये में
साथ कुल हक वो हकूक व बहक वो बदल मोहिर
अलैह याद वो उनके वारिसान व साथ बेचा वो बैनामा
कतैमलाकलामी किया वो खरीदार को उक्त समातिर
आज ही से दखल कब्जा दे दिया आइन्दाहिल मोहिर
अलैह वो वारिसान मोहिर अलैह इस रौज जमीन
पर काबिज वो दखलकार होकर वो रहेकर अपने को
जिस तरह से बेहतर समझें करें। अबकन
मोहिर या वारिसान मन मोहिर का इस रौज जमीन
पर किसी तरह का हक दावा दखल कब्जा बाकी नहीं रहा
वो न होगा वो न रहेंगे। वो शै मोबाईया मुक्त
खलल वगैरह से बिल्कुल पाक वो साफ है वो उक्त
भूमि प्रश्न विवाद से मुक्त है कोई पाये जाने पर कुल
जवाबदेही मन मोहिर या वारिसान हैं वो होंगे।
वो कुल जरसमन बैनामा का तमाम वो कमाल खरीदार
से मन मोहिर वसूली पा गये हैं।

इसलिए मन मोहिर अपने खुशी से बैनामा कतैमलाकलामी
हाजा लिख दिया कि समय पर काम आवे फकत
आज तारीख १५ पन्द्रह जनवरी सन् 2011 ई० को मकाम
मैं कातिब वो गवाह महेन्द्र प्रसाद टाईप राम..
मजमून बैनामा मोहिर को पढ़कर सुना वो समझा
दिया वा. रजि. स्टाम्प नं. 80/05

2000Rs

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु.

Rs 2000

भारत

दो हजार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

विक्रेता के नाम

श्री सरजु साहु पिता स्व. पुना साहु जाति
वैश्य तैलिक पेशा गृहस्थी साकिन मौजा
सिवान महल्ला वार्ड नं ४ परगना अहुरी थाना
पचरा एवं रजिस्ट्री की जिला रजिस्ट्री
की जिला पचरा (भारतीय)

क्रेता के नाम

श्री परमेश्वर साहु पिता श्री गौरी साहु
कायम जाति वैश्य तैलिक पेशा गृहस्थी
साकिन मौजा फरेन्दी थाना पंचायत इकुआ
परगना अहुरी थाना पचरा एवं रजिस्ट्री
की जिला रजिस्ट्री की जिला पचरा
(भारतीय)

(5)

1000Rs

INDIA NON JUDICIAL

२000रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

नाम मालिक :- झारखण्ड सरकार अंचल खड़ा

नं-1 यह है हसब तफसीलात वाला जमीन को श्रीमती तेतरी देवी पति श्री राम प्रसाद एवं मन मोहित राम सरयु साहु ने बजरिये खरीदगी बैनामा बाँस गोपाल सिंह वल्द मालिक मसोमात उधो देवी पति रामधनी साव से बतारीख 12/8/1982 ई॰ को खरीदकर दखल काबिज दखलकार चले आते हैं, जो है, व मुताबिक मौजा नं॰ 33 थाना नं॰ 26 ता॰ डे॰ बैनामा नं॰ 1899 सन् 1982 ई॰ है जिसका सरकारी रसीद बनाम श्रीमती तेतरी देवी वो मन मोहित साहु सरयु साहु के नाम से कटते चला आरहा है जो है जो कि खतियान में पेज नं॰ 3/52 में दर्ज है तथा दाखिल खारिज केस नं॰ 264 सन् 1985-86 ई॰ है। बैनामागीर अपने हक हिस्से मध्ये की जमीन खास मोहित सायेंह के बिक्री करते हैं।

नं-2 यह है मन मोहित को रूपये का सख्त जरूरत वास्ते खरीदने समान वो भाद महाजन के चुका करना है जो कोई दीगर सिवाय बिक्री उक्त जमीन के और कोई दुसरा जरिया रूपये का हासिल वो नजर नहीं आता है। इसलिए मन मोहित अपनी खुशी व रजा से हो होश व हवास में रहते हुए बाकिल बालिग बजरिए बायदम दीगर आदम

Witnessed by:
Md. Shahjahan
[...] of Chatra
15/01/2011

20 Rs.

बीस रुपये

२० रु.

भारत INDIA

TWENTY RUPEES

20 Rs

बैंक - नाकामाथी किया। उक्त जमीन हर
शामिलात से बिलकुल पाक व साफ है
किसी तरह का मुकदमा रहमा या बारहेन देना
नहीं है इसके खिलाफ पाये जाने पर उस
नुकसान के पूरा जवाब देह हर्जा खर्चा के
देनदार विक्रेता व वारिसान विक्रेता है व होंगे
चूँकि उक्त जमीन के कुल
जरेसमन तमाम को हमाल क्रेता से विक्रेता
वसूल बेबाक पाकर एक भी रुपया मोहरा जिम्मे
क्रेता के पास बाकी नहीं रहा और न आइन्दा
कभी बाकी जरेसमन के दावी करेंगे। उक्त
जमीन पर दखल कब्जा और मोड़ जो विक्रेता
के था से आज तारीख से हटा लिया और
क्रेता को करार दिया कि से क्रेता उक्त
जमीन पर करके खेती बनाके मकान हर
किस्म निर्माण कर लेगा हस्बरूप में दर
तसर्फ करेंगे। इसमें विक्रेता के कोई उजुर
इतराज न है और न भविष्य में होगा

इसलिए विक्रेता विक्रय पत्र बैनामा
बैंक - नाकामाथी द्वारा लिख दिया कि समय
पर काम आवे सो प्रमाण रहे।

[illegible]

INDIA

पाँच रुपये

पाँच रुपये

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

आज तारीख 31 माह मार्च सन 2001 ई० में कातिब को गवाह बाद कुमारेमादव ताईद लो० द्वारा विक्रय पत्र वसीका कारिंदा के लिए हिन्दी में लिख को पढ़कर सुना को समझा दिया।

नोट I धारा 5 की 2 नम्बर धारा 10 व 11 के मोताबिक विक्रेता पाबन्द नहीं।

नोट II केवाला दो प्रति में लिखा गया है मूल केवाला के असली प्रतिलिपि दु० वह उर्दू में लिखा गया है। ह० कातिब

ह० [illegible]
ता० 31-3-2001

(2)

भारतीय गैर न्यायिक
भारत INDIA

रु. 500 | FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये | Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND 9897

प्रमाणित किया जाता है कि मैं सरजू साहु
उक्त भूमि [illegible] नहीं है। नहीं [illegible] में
रैयत, [illegible] बाहर है तथा G.M.L. B.L.L.
भी नहीं है। आदिवासी [illegible] से मुक्त है। जमीन
[illegible] नहीं है। भूमि का [illegible] कोई [illegible] है।

सरजू साहु

विक्रेता :- सरजू साहु

1 2 3 4 5

सरजू साहु

खरीदार :- परमेश्वर साहु

1 2 3 4 5

परमेश्वर साहु

प्रमाणित किया जाता है कि [illegible]

महेन्द्र प्रसाद
लाइ. 43/04

महेन्द्र प्रसाद
दस्तावेज लेखक
ला० नं० 43/03

(४)

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

मोबलीगं 212000) दो लाख बारह हजार रुपये मैं साथ कुल हक वो हकूक व रहत वो बदल मोहिर अलैह यद वो उनके वारिसान के हाथ बेचा व बैनामा कतई किया वो खरीदार को उक्त जमीन पर आज ही से दखल कब्जा दे दिया अब चाहिए कि मोहिर अलैह वो वारिसान मोहिर अलैह इस बैय जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर वो रहकर अपनी जो जिस तरह से बेहतर वो मुनासिब समझें करें। अब कोई मोहिर या वारिसान मन मोहिर का इस बैय जमीन पर किसी तरह का हक दावा दखल कब्जा बाकी नहीं रहा वो न होगा वो न रहेंगे। वो बैय मोबाईना मुन्दरजा रहन वगैरह से बिल्कुल पाक वो साफ है वो उक्त भूमि प्रत्येक विवाद से मुक्त है कोई पाये जाने पर कुल जवाबदेही मन मोहिर या वारिसान हो वो होंगे। वो कुल जरसमन बैनामा का तमाम वो कमाल एकमुश्त से मन मोहिर वसूली पा गये हैं।

इसलिए मन मोहिर अपने खुशी से बैनामा कतई लिखा लिख दिया कि समय पर काम आवे फकत_

आज तारीख 15 पन्द्रह जनवरी सन 2011 ई० मोकाम में कातिब वो गवाह महेन्द्र प्रसाद टाईप बाक्मकाम मजमून बैनामा मोहिर को पढ़कर सुना वो समझा दिया ला. रजि. लाईसेन्स 54/05

2000Rs

INDIA NON JUDICIAL

२000रु.

Rs 2000

भारत

दो हजार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

विक्रेता का नाम

श्री सरजु साहु पिता स्व० बुना साहु जाति वैश्य तेलीक पेशा गृहस्थी साकिन मौजा खिन्ड मुहल्ला वार्ड नं० ४ प्रगना अछुरी थाना चतरा सब रजिस्ट्री की जिला रजिस्ट्री की जिला चतरा (भारतीय)

क्रेता का नाम

श्री परमेश्वर साहु पिता श्री गौरी साहु कायम जाति वैश्य तेलीक पेशा गृहस्थी साकिन मौजा करैन्दी थाना पंचायत इफुआ प्रगना अछुरी थाना चतरा एक रजिस्ट्री की जिला रजिस्ट्री की जिला चतरा (भारतीय)

1000Rs

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु.

Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

नाम खरीदार :- झारखण्ड सरकार अंचल [illegible]

नं.1 यह कि हस्ब तफसीलात वाला जमीन को श्रीमती तेतरी देवी पति श्री [illegible] एवं मन मोहिर रूपये सरयू साहु ने बजरिये रजिस्ट्री केवाला [illegible] [illegible] मसोमात उषा देवी पति [illegible] [illegible] सन् से बतारीख 12/8/1982 ई० को खरीदकर [illegible] [illegible] दखलकार चले आते हैं। जो है, [illegible] मौजा नं. 33 थाना नं. 26 [illegible] [illegible] 1899 सन् 1981 ई० की [illegible] सरकारी रसीद बनाम श्रीमती तेतरी देवी वो मन मोहिर सरयू साहु के नाम से कटते चला आरहा है वो है [illegible] [illegible] 3/42 में दर्ज है तथा [illegible] [illegible] [illegible] 265 सन् 1975-76 ई० है [illegible] अपने हक हिस्से मध्ये की जमीन [illegible] मोहिर [illegible] बिक्री करते हैं।

नं.2 यह कि मन मोहिर को रूपये का सख्त जरूरत वास्ते खरीदने समान वो [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है वो कोई [illegible] बिक्री उक्त जमीन के और कोई दूसरा जरिया रूपये का हासिल वो नजर नहीं आता है। [illegible] मन मोहिर अपनी खुशी से वो भी होश वो हवास में रहते हुए [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] 12.9.19

Witnessed by: Md. Shahjahan [illegible] [illegible] 15/01/2011